

Padma Shri



MS. SHAKUNTALA CHOUDHARY (POSTHUMOUS)

Ms. Shakuntala Choudhary was a Gandhian leader and renowned social worker in Assam. Her life was devoted to selfless service, truth, simplicity and non-violence at Sarania Ashram, Guwahati where Mahatma Gandhi had stayed in 1946. She joined Kasturba Gandhi National Memorial Trust, Assam Branch on 19th October, 1947 and continued for the rest of her life.

2. Born on 25th June 1920 at Panbazar, Guwahati to late Shri Harinath Pathak Choudhury and late Smt. Bidyadhari Choudhury, Ms. Shankuntala completed her higher education from Handique Girls College achieving 1st division. She was inspired by her parents to carry out social works at a young age. She worked as a Teacher in Tarini Charan Choudhury Higher Secondary School, Guwahati during 1945-1946. Later, she met Amal Prova Das, an ardent follower of Gandhiji and Acharya Vinoba Bhave and joined Assam Branch of Kasturba Gandhi National Memorial Trust (KGNMT) in 1947.

3. Ms. Shakuntala participated in Seva Gram Naitalim under the guidance of Asha Devi Arjya Nayakam in 1959. She was extremely devoted to her duties, honest and sincere and was appointed Secretary, KGNMT, Assam Branch in the year 1955, which she continued for 20 years. She led Bhoodan Movement (Padayatra) which commenced from 18th April 1951 and reached boundary of Assam. She conducted Stri Shakti Jagaran among women. Vinobaji entrusted regular printing of "Asomiya Viswanagari" to her with intention to develop spiritual observation, equality of intelligence and Aninnda Brata. The publication of Viswanagari was her source of inspiration and life strength. She established "Kasturba Juba Matri Samaj" to involve the students and youths and took active role to inspire the Matri Samaj to know about Mother & child welfare, removal of illiteracy and promote self-reliance.

4. Ms. Shakuntala received numerous awards for her selfless service including Sati Joymati Award; Joyendra Saraswati Samaj Ratna Award; Jamnalal Bazaz Award; Gopinath Bordolai Award by Government of Assam; Kanak Lata Award; Suchibrata Ray Choudhary Award and Senior Citizen Award (National award by the Government of India).

5. Ms. Shakuntala passed away on 22nd February, 2022.

पद्म श्री



सुश्री शकुन्तला चौधारी (मरणोपरांत)

सुश्री शकुन्तला चौधारी असम की एक गांधीवादी नेता और प्रसिद्ध समाजसेवी थीं। उनका जीवन गुवाहाटी के सरानिया आश्रम में निःस्वार्थ सेवा, सत्य, सरलता और अहिंसा के प्रति समर्पित था। 1946 में महात्मा गांधी इस आश्रम में ठहरे थे। वह 19 अक्टूबर, 1947 को कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट, असम शाखा में शामिल हुईं और बाकी का जीवन उसी में कार्य करते हुए गुज़ारा।

2. 25 जून, 1920 को पानबाजार, गुवाहाटी में स्वर्गीय श्री हरिनाथ पाठक चौधरी और स्वर्गीय श्रीमती विद्याधरी चौधरी के घर जन्मी, सुश्री शकुन्तला ने हांडीक गर्ल्स कॉलेज से प्रथम श्रेणी में अपनी उच्च शिक्षा पूरी की। उनके माता-पिता ने उन्हें कम उम्र में ही समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 1945-46 के दौरान तारिणी चरण चौधरी उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक शिक्षिका के रूप में काम किया। बाद में, वह गांधीजी और आचार्य विनोबा भावे के प्रबल समर्थक अमल प्रोवा दास से मिली और 1947 में कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट (केजीएनएमटी) की असम शाखा में शामिल हो गईं।

3. सुश्री शकुन्तला ने 1959 में आशा देवी अर्ज्य नायकम के मार्गदर्शन में सेवा ग्राम नैतालिम में हिस्सा लिया। वह अत्यंत कर्मठ, ईमानदार और निष्ठावान थीं और 1955 में उन्हें केजीएनएमटी, असम शाखा का सचिव नियुक्त किया गया और इस पद पर वह 20 वर्ष तक रहीं। उन्होंने 18 अप्रैल 1951 को शुरू हुए भूदान आंदोलन (पदयात्रा) का नेतृत्व किया और असम की सीमा पर पहुंचीं। उन्होंने महिलाओं के बीच स्त्री शक्ति जागरण का आह्वान किया। विनोबाजी ने आध्यात्मिक विचारशीलता, बौद्धिक समता और अनिंदा व्रत के प्रोत्साहन के लिए शकुन्तला चौधरी को नियमित तौर पर 'असमिया विश्वनागरी' के प्रकाशन का दायित्व सौंपा। विश्वनागरी का प्रकाशन उनका प्रेरणास्रोत और जीवनी शक्ति थी। उन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं को जोड़ने के लिए 'कस्तूरबा युवा मातृ समाज' की स्थापना की तथा मां और बच्चे के कल्याण, अशिक्षा उन्मूलन और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए मातृ समाज को प्रेरित करने में सक्रिय भूमिका निभाई।

4. सुश्री शकुन्तला को उनकी निःस्वार्थ सेवा के लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए, जिनमें सती जयमती पुरस्कार; जयेंद्र सरस्वती समाज रत्न पुरस्कार; जमनालाल बजाज पुरस्कार; असम सरकार का गोपीनाथ बारदोलाई पुरस्कार; कनक लता पुरस्कार; सुचिब्रत रे चौधरी पुरस्कार; वरिष्ठ नागरिक पुरस्कार (भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार) शामिल हैं।

5. सुश्री शकुन्तला का 22 फरवरी, 2022 को देहावसान हो गया।